अभिघातज उत्तर दबाव विकार (PTSD) और सेरेबेलम

स्रोत: डाउन टू अर्थ

एक हालिया अध्ययन में पाया गया कि **अभिघातजन्य दबाव विकार (Post Traumatic Stress Disorder (PTSD)** वाले व्यक्तियों को उनके **सेरेबेलम** में **ग्रे और व्हाइट मैटर** दोनों की मात्रा में गंभीर कमी का अनुभव हो सकता है।

- यह अन्य पहलुओं के अलावा उनके **संज्ञानात्मक कार्यों** और **भावनात्मक प्रतिक्रियाओं** को प्रभावित कर सकता है।

अध्ययन के निष्कर्ष क्या हैं?

- अध्ययन से पता चला कि **PTSD** सेरेबेलम में **ग्रे और व्हाइट मैटर दोनों की मात्रा** में काफी कमी से संबद्ध है।
- यह कमी मस्तिष्क के विशिष्ट उपक्षेत्रों में उल्लेखनीय थी, जिसमें **पोस्टीरियर लोब, वर्मिस, फ्लॉक्यूलोनोड्यूलर लोब** और **कॉर्पस मेडुलेयर** शामिल थे।
- अध्ययन से यह भी पता चला है कि **अनुमस्तिष्क मात्रा (Cerebellar Volume)** में परिवर्तन, PTSD अनुभव की तीव्रता के साथ संबंधित है, जो स्थिति की गंभीरता का आकलन करने के लिये एक संभावित बायोमार्कर दर्शाता है।
- यह केवल **मस्तिष्क के भावना-प्रसंस्करण केंद्रों के विकार** के रूप में **PTSD** की पारंपरिक समझ को **चुनौती** देता है।
  - अनुमस्तिष्क **की भागीदारी PTSD में अधिक जटिल मस्तिष्क नेटवर्क व्यवधान का सुझाव देती है,** जिसमें संज्ञानात्मक और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को एकीकृत करने के लिये ज़िम्मेदार क्षेत्र शामिल हैं।
- यह अध्ययन विकार से प्रभावित **विशिष्ट अनुमस्तिष्क (Cerebellar) क्षेत्रों** को इंगित करके **PTSD के रोग क्रिया विज्ञान/पैथोफिज़ियोलॉजी** को समझने में मदद करता है।

अभिघातज उत्तर दबाव विकार (PTSD) क्या है?

- अभिघातज उत्तर दबाव विकार (Post-traumatic Stress Disorder- PTSD), एक मानसिक स्वास्थ्य स्थिति है जो किसी व्यक्ति द्वारा **युद्ध, हिंसा, दुर्व्यवहार या प्राकृतिक आपदा जैसी दर्दनाक घटना** का अनुभव करने या देखने के बाद होती है।
  - **PTSD** से पीड़ित लोगों में **पुनरावृत्ति वाली यादें, बुरे सपने, फ्लैशबैक, टालमटोल और नकारात्मक मनोदशा** आदि हो सकते हैं।
  - ये लक्षण उनके **दैनिक कामकाज और जीवन की गुणवत्ता** में हस्तक्षेप कर सकते हैं।
  - PTSD का इलाज **मनोचिकित्सा, दवा या दोनों** से किया जा सकता है।
- PTSD व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर अविश्वसनीय रूप से बोझिल है, जिससे **गहरा संकट, कार्यात्मक हानि तथा आश्चर्यजनक उपचार** लागत होती है।

अनुमस्तिष्क और मस्तिष्क के अन्य भाग क्या हैं?

- **मस्तिष्क में तीन प्राथमिक घटक होते हैं: प्रमस्तिष्क/सेरीब्रम, अनुमस्तिष्क और मस्तिष्क स्तंभ।**
- **अनुमस्तिष्क/Cerebellum: मस्तिष्क भाग** परंपरागत रूप से **पेशीय नियंत्रण** से संबंधित है किंतु अब इसकी भूमिका **उच्च संज्ञानात्मक** तथा **संवेगात्मक (Emotional) कार्यों** तक विस्तारित हो रही है।
  - यह सिर के पिछले भाग में **प्रमस्तिष्क (Cerebrum)** के ठीक नीचे व **मस्तिष्क स्तंभ (Brain Stem)** के पीछे स्थित होता है। प्रमस्तिष्क/सेरेब्रम के समान किंतु छोटी संरचना के कारण इसे **"लघु मस्तिष्क"** भी कहा जाता है।
- **प्रमस्तिष्क:** यह मानव मस्तिष्क का **सबसे बड़ा भाग** बनाता है। जो **दाएँ तथा बाएँ गोलार्द्धो** से मिलकर बना है। जो **संवेदी जानकारी, बोलने की प्रक्रिया, तर्क, भावनाओं, अधिगम एवं सटीक गति नियंत्रण** की व्याख्या करने जैसे प्रमुख कार्यों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- **मस्तिष्क स्तंभ/ब्रेनस्टेम:** यह **प्रमस्तिष्क, अनुमस्तिष्क तथा रीढ़ की हड्डी** को जोड़ने वाले प्रसारण/रिले केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह **श्वसन, हृदय गति, सोने-जागने के चक्र, पाचन व छींकने, खाँसने, वमन (Vomiting) एवं निगलने** जैसी विभिन्न प्रतिवर्ती क्रियाओं (Reflex Actions) जैसी स्वचालित प्रक्रियाओं की देखरेख करता है।
- **हाइपोथैलेमस:** यह थैलेमस के नीचे स्थित होता है तथा **शरीर के ताप, भूख, प्यास, थकान, निद्रा एवं सर्कैडियन लय** इत्यादि क्रियाओं को नियंत्रित करता है। यह **पीयूष ग्रंथि (Pituitary Gland) द्वारा हार्मोन मुक्त करने** की प्रक्रिया में भी भूमिका निभाता है।

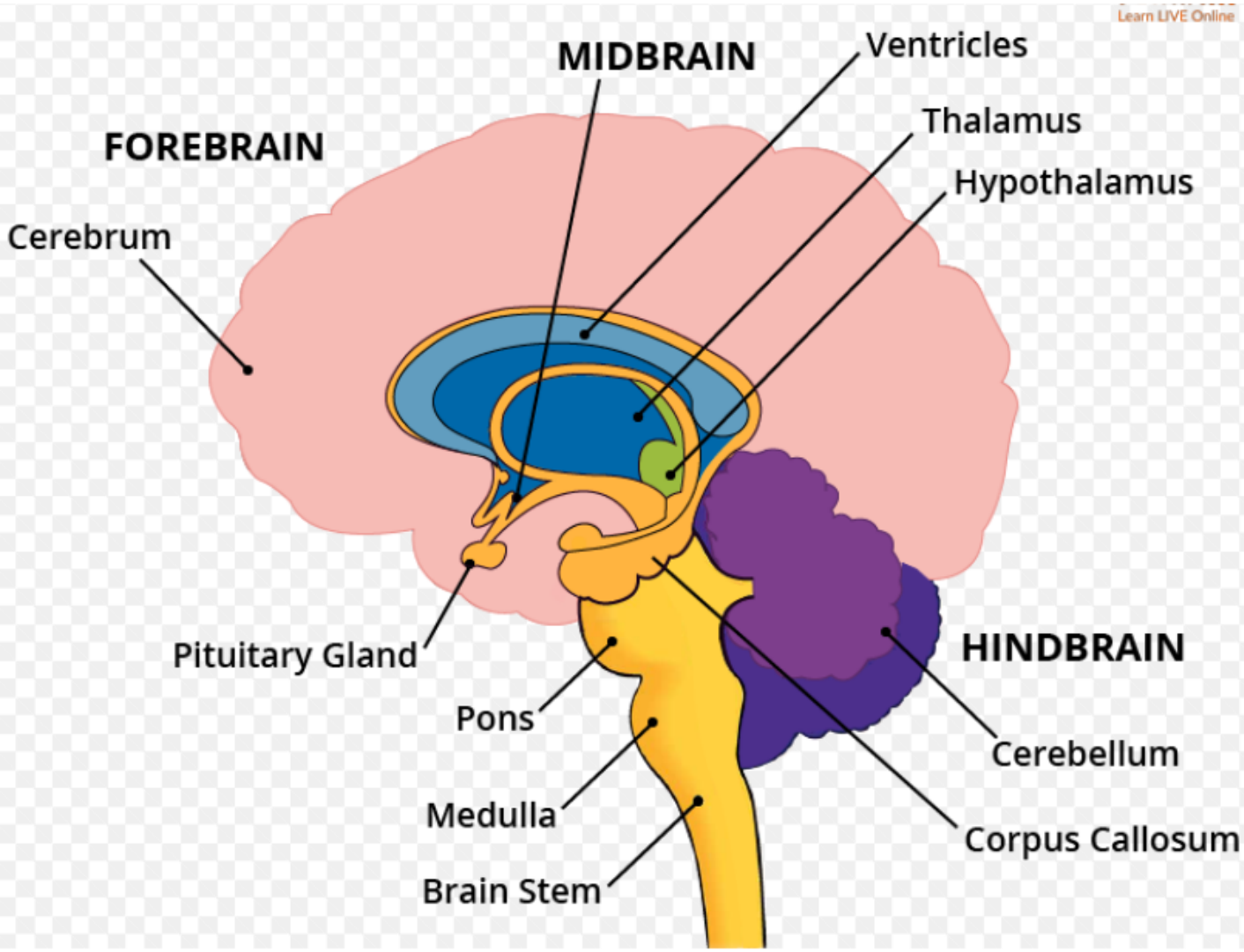

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/post-traumatic-stress-disorder-ptsd-and-cerebellum